भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य के खिलाफ सुभाष चौक थाने पर प्रदर्शन

गंगापोल स्थित स्कूल में हिजाब को लेकर टिप्पणी करने के बाद उपजा विवाद

जयपुर । हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य के खिलाफ सुभाष चौक थाने पर सोमवार को सरकारी स्कूल की मुस्लिम छात्राओं और उनके महिलाओं ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की। छात्राओं का आरोप है कि बाबा बालमुकुंद आचार्य उनके स्कूल आए थे। इस दौरान उन्होंने हिजाब को लेकर बोला, नारे भी लगाए गए थे। घटना की जानकारी मिलने पर एसीपी सुभाष चौक मौके पर पहुंचे और छात्राओं से बात की। एहतियात के तौर पर मौके पर पुलिस जाप्ता भी मौजूद रहा। विधानसभा में विधायक रफीक खान ने यह मुद्दा उठाया और आपत्ति दर्ज करायी।

पुलिस ने बताया कि गंगापोल गर्ल्स स्कूल

- **ए.सी.पी. ने मौके पर पहुंचकर छात्राओं से बातचीत की, मौके पर तैनात रहा जाप्ता**
- **शाम को विधायक रफीक खान और अमीन कागजी के साथ छात्राओं ने थाने में आपत्ति दर्ज करायी**

की छात्राएं सोमवार सुबह करीब 9 बजे सुभाष चौक थाने पर पहुंची। देखते ही देखते छात्राओं की संख्या बढ़ गई। पुलिस ने जब छात्राओं से कारण पूछा तो बताया कि विधायक बालमुकुंद आचार्य स्कूल में एक कार्यक्रम के दौरान पहुंचे थे। उन्होंने स्कूल में हमारे हिजाब को लेकर बातें की, यह हमें मंजूर नहीं है। शिक्षा के मंदिर में हिंदू-मुसलमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छात्राओं के साथ-साथ उनके परिजन भी बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे और कार्रवाई की मांग करने लगे। इस दौरान छात्राएं सुभाष चौक सर्किल के चारों तरफ सड़क पर बैठ गई थीं।

शाम 5 बजे आदर्श नगर विधायक रफीक खान और किशनपोल विधायक अमीन कागजी सभी छात्राओं को लेकर मौके से रवाना हो गए। दोनों की ओर से एक लिखित शिकायत सुभाष चौक थाने में दी गई है। जिस पर कार्रवाई को लेकर प्रशासन को दो दिन का समय दिया गया है। प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने बताया कि स्कूल में एनुअल कार्यक्रम था। जहां बाबा बालमुकुंदाचार्य को बुलाया गया था। बाबा ने जानबूझकर नारे लगवाए और कहा कि हिजाब को स्कूल में अलाऊ नहीं करेंगे, यह गलत है। छात्राओं के प्रदर्शन के कारण आमेर की ओर से आने वाला रास्ता बंद हो गया था।

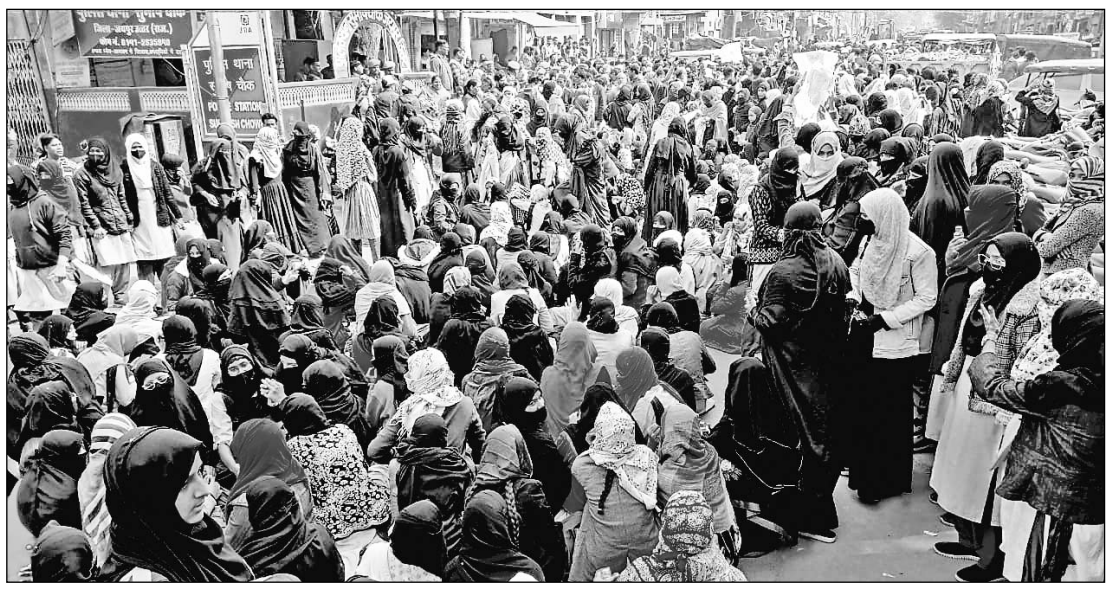

सुभाष चौक थाने पर मुस्लिम समुदाय की बच्चियों और उनके परिजनों ने धरना देकर भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया।

स्कूल में ड्रेस कोड होता है, कल को हमारे बच्चे लहंगा-चुन्नी पहनेंगे : बालमुकुंदाचार्य

जयपुर (कासं)। विधायक बालमुकुंद आचार्य ने इस पूरे मामले में कहा कि स्कूलों का एक ड्रेस कोड होता है। मेरे भाषण को देखा जा सकता है। मैंने स्कूल में बच्चियों को कुछ नहीं कहा। मैंने केवल स्कूल प्रिंसिपल से पूछा था कि क्या स्कूल में दो तरह का ड्रेस कोड है। जब गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम हो, वार्षिकोत्सव हो। क्या दो तरह की ड्रेस का प्रावधान है?

उन्होंने कहा कि नहीं ऐसा नहीं है, यह मानते ही नहीं है। मुझे स्कूल में दो तरह का माहौल नजर आया। एक हिजाब के साथ दूसरा बिना हिजाब के। ऐसे में हमारे भी बच्चे कल को लहंगा-चुन्नी पहनकर आएंगे, कलरफुल ड्रेस पहनकर आएंगे। जब स्कूल का ड्रेस कोड तय है, बच्चियों को इसमें आपत्ति भी नहीं है। केवल उन्हें गाइड करने की जरूरत है। विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि मेरा सवाल वाजिब है। स्कूल का ड्रेस कोड तय है। वहां का नियम कायदा होता है। स्कूल में ड्रेस कोड के हिसाब से ही आना चाहिए। इन्हें तो सरस्वती के श्लोक बोलने पर भी आपत्ति है। यह क्या बात हुई। विद्यालय में सबके लिए नियम बराबर है। जबरन जय श्रीराम के नारे लगाने के सवाल पर विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि मैने ऐसे कोई नारे नहीं लगवाए। मैने कहा था भारत माता की जय बोलिए। उन्हें समझाया भी था कि भारत हमारा देश हैं। यह धरती हमारी माता है। यह हमारी मां की भी मां हैं। क्या भारत माता की जय बोलना भी गलत है। उन्होंने कहा कि मैं मदरसों में भी गया था। मैने वहां तो ड्रेस बदलने की बात नहीं की। हर जगह का अपना ड्रेस कोड तय है।

- **बालमुकुंदाचार्य ने कहा, मैंने स्कूल में बच्चियों को कुछ नहीं कहा, प्रिंसिपल से पूछा था कि क्या स्कूल में दो तरह का ड्रेस कोड है। चाहे गणतंत्र दिवस हो या वार्षिकोत्सव हो। क्या दो ड्रेस का प्रावधान है?**

सदन में भी गूंजा हिजाब का मुद्दा

जयपुर । कांग्रेस के रफीक खान ने विधानसभा में शून्यकाल के दौरान स्थगन प्रस्ताव के जरिए चिरंजीवी योजना में इलाज नहीं होने का मुद्दा उठाते हुए हिजाब का मामला भी उठाया। रफीक खान ने गंगापुर के स्कूल में बीजेपी विधायक के हिजाब पर पाबंदी होने और बच्चों को हिजाब पहनकर नहीं आने की बात का जिक्र करते हुए सवाल उठाए। रफीक खान के स्थगन प्रस्ताव के अलावा मुद्दा उठाने पर बीजेपी सदस्यों ने कड़ी आपत्ति की। इस पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने स्थगन प्रस्ताव के विषय के अलावा बोली गई बातों को सदन की कार्यवाही से निकालने का आदेश दिया। रफीक खान ने जब हिजाब का मुद्दा उठाया तो संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने तुष्टीकरण बंद करो के नारे लगाए। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने कहा कि एक आदमी पहली बार विधायक बनता है। रोज कॉन्ट्रोवर्सी वाले बयान देता है, जिससे उसे सस्ती पब्लिसिटी मिल सके। गणतंत्र दिवस के दिन आप संविधान की धज्जियां उडाते हो। बच्चियों के खिलाफ गलत बात करतो हो। मैं प्रशासन से चाहता हूं कि ऐसे आदमी को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।

मेयर सौम्या गुर्जर के सलाहकार समेत 14 रिटायर्ड अधिकारियों को हटाया

जयपुर ग्रेटर निगम आयुक्त रूकमणि रियाड ने जारी किए आदेश

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार के आदेश के बाद अब नगरीय विकास विभाग से जुड़े दफ्तरों से रिटायर्ड कर्मचारियों को हटाने का काम शुरू हो गया है। नगर निगम ग्रेटर की कमिश्नर रूकमणि रियाड़ ने सोमवार को आदेश जारी करके 14 ऐसे अधिकारियों को हटाया है, जो रिटायर्ड होने के बावजूद भी नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय या स्वायत्त शासन निदेशालय में काम कर रहे थे। इसमें जयपुर मेयर सौम्या गुर्जर के सलाहकार भी शामिल है, जो पिछले कई साल से इस पोस्ट पर रिटायर्ड होने के बाद भी कार्यरत थे।

सूत्रों की मानें तो पिछले दिनों राजस्थान में सरकार ने नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद, यूआईटी, विकास प्राधिकरण और स्वायत्त शासन निदेशालय में कॉन्ट्रेक्ट पर लगे कर्मचारियों को हटाने के आदेश दिए थे। हटाए गए अधिकारियों में मेयर सौम्या गुर्जर के सलाहकार से लेकर लेखाधिकारी, जनसंपर्क, विधि सहायक, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक भी शामिल हैं।

कमिश्नर रूकमणी रियाड़ की ओर से जारी आदेशों में मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक के पद पर मुरलीपुरा जोन में नियुक्त रामकिशोर गुप्ता, सहायक प्रशासनिक अधिकारी ज्ञान प्रकाश पारीक, वरिष्ठ सहायक अनिल किशोर पारीक, निदेशक विधि सलाहकार कैलाशराम ईनाणिया, संयुक्त निदेशक जनसंपर्क बृजेश पारीक को हटाया गया है। इनके अलावा मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर के सलाहकार रमाकांत अग्रवाल, सहायक लेखाधिकारी बजरंग लाल शर्मा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुष्पेन्द्र सिंह हाड़ा, स्टेनोग्राफर अशोक कुमार गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी युवराज कुमार गंगवाल, सीनियर ज्वाइंट लॉ एडवाइजर गोपाल लाल शर्मा, आयुक्त मदन कुमार शर्मा, सीनियर ज्वाइंट लॉ एडवाइजर सुनील राय और कमिश्नर राजेन्द्र कुमार सिंघल को भी हटा दिया गया है।

मजेदार बात यह है कि पिछले दिनों स्वायत्त शासन निदेशक सुरेश ओला ने आदेश जारी कर तमाम सरकारी अधिकारियों को हटाकर पालना रिपोर्ट भेजने को कहा था। इसके बावजूद जयपुर जेडीए में बाबू, पटवारी समेत अन्य पदों पर 200 से ज्यादा लोग अभी भी लगे हुए है। इसी तरह हाउसिंग बोर्ड में 30 से ज्यादा कर्मचारी ऐसे है जो रिटायर्ड होकर वापस बोर्ड में पे माइनस पेंशन या एक निर्धारित वेतन पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा रेरा में 60 फीसदी से ज्यादा अधिकारी सेवानिवृत है, लेकिन अभी तक किसी को भी नहीं हटाया गया है।

- **इन 14 अधिकारी-कर्मचारियों में से 5 लोग डीएलबी में दे रहे थे सेवाएं**
- **जेडीए में 200 और हाऊसिंग बोर्ड में 30 कार्मिक अभी भी कार्यरत**
- **रेरा में 60 फीसदी स्टाफ सेवानिवृति के बावजूद काम कर रहा, स्वायत्त शासन विभाग के आदेश के बावजूद अभी तक किसी को भी नहीं हटाया**

जे.डी.ए. समेत सभी नगरीय निकायों में संविदा पर लगे अरबन प्लानर भी हटेंगे

जयपुर। जे.डी.ए. समेत प्रदेश भर के नगर निकायों में संविदा पर लगे अरबन प्लानर भी अब हटेंगे। संविदा पर लगे अरबन प्लानर्स और आर्किटेक्ट्स के माध्यम से कराए जा रहे खेल पर लगाम लगाने की कवायद पिछले करीब डेढ़ महीने से फाइलों में बंद थी, जिस पर अब मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने हटाने के आदेश जारी कर दिए।

सूत्रों की मानें तो जेडीए के विभिन्न जोन,मास्टर प्लान व बिल्डिंग प्लान शाखा में संविदा पर अरबन प्लानर्स और आर्किटेक्ट्स लगे हुए हैं। कई स्थानों पर ये कार्मिक नियमित नगर नियोजक की तरह काम कर रहे हैं। यहां तक जोन स्तरीय समिति (जेडएलसी) में सदस्य सचिव के तौर पर उप नगर नियोजक या सहायक नगर नियोजक जैसे स्थायी पदनामों का भी प्रयोग कर रहे हैं। 90 ए, ले आउट बिल्डिंग प्लान अनुमोदन,भू उपयोग परिवर्तन, उपविभाजन पुनर्गठन, भूमि आवंटन, भूमि समर्पण, जेडीए की योजना की प्लानिंग आदि मामलों की फाइलें नियमित नगर नियोजक के बजाए इन्हीं संविदा कर्मियों के माध्यम से सीधे जोन उपायुक्तों को भेजने के भी मामले सामने आए हैं। पिछले वर्ष नवंबर में कई नियमित नगर नियोजकों ने इस खेल को उजागर करते हुए इसे रोकने के लिए तत्कालीन जेडीए आयुक्त को ज्ञापन दिया था। कोटा, अजमेर, जोधपुर, के विकास प्राधिकरणों नगर निगमों में यह अरबन प्लानर को नगर नियोजकों के सहायक के रूप में लगाए गए थे लेकिन धीरे धीरे इन लोगों ने फाइलों को मंजूर करने, नक्शे पास करने जैसे काम करने शुरु कर दिए थे।

- **पिछले डेढ़ महीने से फाइलों में बंद इस प्रकरण पर यू.डी.एच. मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने लिया फैसला**

महिला समेत छह शराब तस्कर पकड़े

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ विश्वकर्मा, जयसिंहपुरा खोर, सांगानेर सदर, मुहाना, कालवाड़ एवं ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में कार्रवाई करते हुए आबकारी अधिनियम में सात प्रकरण दर्ज कर एक महिला सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। साथ ही गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से अवैध देशी शराब के 541 पव्वे, अंग्रेजी शराब के 63 पव्वे, बीयर की 56 बोतल, हथकड़ शराब 10 लीटर एवं 1 हजार 235 रुपये बिक्री की राशि बरामद किए है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि सीएसटी ने अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ विश्वकर्मा, जयसिंहपुरा खोर, सांगानेर सदर, मुहाना, कालवाड़ एवं ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में कार्रवाई की। इस दौरान आबकारी अधिनियम में सात प्रकरण दर्ज कर रेखा सांसी निवासी मुहाना, राकेश कुमार मालावत निवासी विश्वकर्मा जयपुर, सुरेश चन्द जोगी निवासी आंधी जिला जयपुर, जगदीश सैन निवासी सांगानेर सदर जयपुर,राजू सांसी निवासी मुहाना जयपुर, दिग्विजय सिंह शेखावत निवासी करधनी और अजयवीर सिंह को गिरफ्तार किया।

108 आपात कालीन सेवाएं अगले 6 माह तक आवश्यक घोषित

जयपुर । राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर राज्य में 108 आपात कालीन सेवाओं के साथ 104 जननी एक्सप्रेस सेवा, ममता एक्सप्रेस, 104 चिकित्सा परामर्श सेवाओं एवं कॉल सेन्टर सेवाओं को अगले 6 माह के लिए आवश्यक सेवा घोषित कर दिया है।

गृह विभाग के शासन उप सचिव महेश कुमार शर्मा ने बताया कि 108 आपात कालीन सेवाओ के साथ-साथ 104 जननी एक्सप्रेस सेवा, ममता एक्सप्रेस, 104 चिकित्सा परामर्श सेवाओं एवं कॉल सेन्टर सेवाओं में हडताल होने से सेवाओं के प्रदाय व अनुरक्षण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जिसके परिणामस्वरूप जनता को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

आई.डी.ई. बूटकैंप में ऊर्जा संसाधनों के महत्व पर चर्चा

जयपुर (कासं)। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के साथ शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय "इनोवेशन, डिजाइन एवं एन्त्रोप्रन्योरशिप बूटकैंप" का उद्घाटन समारोह शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल (एमआईसी) और वाधवानी फाउंडेशन के बीच 29 जनवरी को एसकेआईटी, जयपुर में बैठक हुई।

प्रो. टी.जी. सीताराम, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष ने इस आयोजन की मेजबानी करने वाले 10 नोडल केंद्रों पर आई.डी.ई. बूटकैंप का ऑनलाइन उद्घाटन किया। एसकेआईटी के चेयरमैन सुरजाराम मील ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने एक सफल और सार्थक उपलब्धि के लिए मूल्यों, दृढ़ संकल्प एवं टीम प्रयास

के महत्व पर जोर दिया। मुख्य अतिथि मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. एन.पी.पाढ़ी ने ऊर्जा संसाधनों के महत्व पर जोर दिया एवं ऊर्जा संसाधनों का महत्वपूर्ण रूप से उपयोग करने के लिए नवीन विचारों के साथ आने पर ध्यान केंद्रित किया।

विशिष्ट अतिथि महावीर प्रताप शर्मा, अध्यक्ष टीआईई इंडिया एंजल्स एवं रेन (राजस्थान एंजल्स) ने "आईसीई" यानी नवाचार, निर्माण एवं निष्पादन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में स्टार्ट-अप संस्कृति अर्थव्यवस्था को कई गुना बढ़ावा देगी। अंकुश प्रकाश शर्मा, इनोवेशन ऑफिसर, शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, भारत सरकार, ने कहा कि इस बूटकैंप की परिकल्पना माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रस्ताव पर की गई है, जिनका विज़न है कि हमारे इन्नोवेटर्स को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। बूटकैंप के एसपीओसी प्रो. पुनीत शर्मा ने परिचयात्मक भाषण दिया एवं प्रतिभागियों को जिसमें अटल टिंकरिंग लैब जयपुर, से चुने गए प्रतिभगी, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के छात्रों को एक उद्यमशील कैरियर को आगे बढ़ाने के लिए बूटकैंप का महत्व बताया गया। आईआईसी, एसकेआईटी के उपाध्यक्ष सुभ्रोजीत गुप्ता ने धन्यवाद दिया। उद्घाटन के बाद प्रतिभागियों ने प्रदर्शनी में अपने विचारों का प्रदर्शन किया। आइस-ब्रेकिंग और टीम परिचय, उद्यिमयों के लिए डिज़ाइन थिंकिंग, अपना प्रवाह ढूंढें: सेल्फ डिस्कवरी जैसे सत्र आयोजित किए गए। दिन का समापन छात्र बातचीत और फीडबैक एवं टेकअवे के साथ हुआ।

सार-समाचार

उत्कर्ष संस्था का कार्यक्रम संपन्न

जयपुर । रामनगरिया जगतपुरा में संचालित उत्कर्ष संस्था में 26 जनवरी को 75वें गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। दिव्यांगों बच्चों ने इस समारोह में प्रस्तुतियां दी। दरअसल उत्कर्ष संस्था पिछले 5 वर्षों से दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का काम कर रही है, ताकि उनकी प्रतिभा सभी लोगों के सामने आए। इस अवसर पर रामनगरिया निवासी चौथमल, नैनुराम, लल्लूराम, तेजराज, विष्णु, बैंक ऑफ बडौदा के मुख्य प्रबंधक दिनेशचंद यादव, पी.एन.बी. के पूर्व मैनेजर सुनील कक्कड, सीए कन्हैयालाल चौधरी व दृष्टि सेवा संस्था की टीम मौजूद रही। उत्कर्ष संस्था सचिव उगंता चौधरी ने दिव्यांग बच्चों के विकास को ध्यान में रखते हुए संस्था को निरंतर विकास के पथ पर ले जाने का प्रण लिया। संस्था की अध्यक्ष लक्ष्मी जादौन ने बताया कि दिव्यांग बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनमोहन प्रस्तुतियां दी, इसके बाद उन्हें सम्मानित भी किया गया।

हरे कृष्णा मूवमेंट का हैरिटेज फेस्ट शुरू

जयपुर । राजस्थान के सबसे बड़े कल्चरल हेरिटेज फैस्ट का सोमवार को शुभारम्भ हुआ, जिसमें जयपुर के अलग अलग स्कूलों के बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग से भाग लिया। हरे कृष्ण मूवमेंट विगत पंद्रह सालों से हर साल हेरिटेज फेस्ट का आयोजन करता आया है और इस बार का फेस्ट बहुत ही ख़ास है क्योंकि इसकी थीम भगवान् श्रीराम पर रखी गई है। गौरतलब है की हेरिटेज फेस्ट का आयोजन हरे कृष्ण कल्चरल सेंटर के सुधर्मा हाल में किया जा रहा है, जहां पर स्टेज इवेंट में आज रामायण और गीता के श्लोकों के उच्चारण की प्रतियोगिता रखी गई। इस प्रतियोगिता में एल के जी से लेकर कक्षा कक्षा बारहवी के छात्रों ने भाग लिया। विजेताओं को इनाम में 6 लाख रु. तक के पुरस्कार मिलेंगे। बच्चों को एक मिनट का समय दिया गया, जिसमे उन्होंने आँखें बंद करके भागवद गीता या रामायण के मन्त्रों का उच्चारण किया। फेस्ट के पहले दिन बच्चों का उत्साह वर्धन करने के लिए निर्णायक मंडल में दूरदर्शन के असिस्टेंट डायरेक्टर मुरारी गुप्ता, डॉ. रानी दाधीच असिस्टेंट प्रोफेसर दर्शन संसथान और सुनील नर्नाव्लिया, डायरेक्टर, क्रेदेन्ट टीवी से उपस्थित थे।

आचार्य विशुद्धसागर से आशीर्वाद लिया

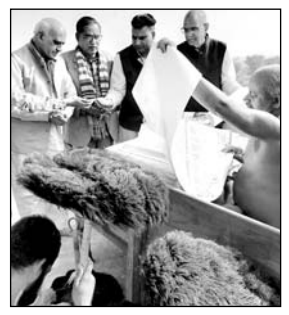

जयपुर । दादा गुरु वात्सल्य रत्नाकर आचार्य विमल सागर महाराज को समर्पित श्री क्षेत्र गुरु शरणम की पत्रिका देखकर आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने आशीर्वाद दिया। वात्सल्य रत्नाकर के अन्तिम दीक्षित शिष्य उपाध्याय रत्न ऊर्जयन्त सागर महाराज की पावन प्रेरणा एवं मंगल आशीर्वाद से ए.वी.एस फाउंडेशन द्वारा जयपुर आगरा राजमार्ग पर बनाये जा रहे तीर्थ के भूमि पूजन शिलान्यास की पत्रिका का अवलोकन कराते हुए फाउंडेशन के महामंत्री सुखानंद काला एवं गुणमाला काला ने 25 जनवरी को किये गए भूमि पूजन एवं शिलान्यास की एवं आचार्य विमल सागर महाराज की प्रतिमा को विराजमान होने के बारे अवगत कराया। आचार्य श्री ने उपाध्याय व आयोजकों को इस कार्य की सफलता हेतु मंगल आशीर्वाद दिया। साथ मे उपस्थित अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम के जयपुर अध्यक्ष भागचंद जैन, मनोरमा जैन मित्रपुरा ने भी आचार्य श्री से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

ठेकेदार ने 'सीमेंट सड़क' बनाकर मनमर्जी से डामर का काम रोका

अजमेर रोड पर सांझरिया में आधी-अधूरी सड़क बनी लोगों की मुसीबत

जयपुर (कासं)। अजमेर रोड पर सांझरिया में आधी-अधूरी सड़क बनाने वाले ठेकेदार पर जेडीए के इंजीनियर्स ने जमकर मेहरबानी दिखाई। ठेकेदार ने अपने फायदे के लिए यहां पर सीमेंट सड़क का काम तो पूरा कर दिया, लेकिन अब डामर रोड बनाने के बजाय काम बंद कर दिया। जेडीए के जोनल इंजीनियर्स ने सड़क निर्माता ठेकेदार को नोटिस देकर उस पर कार्रवाई करने के बजाय उसके आधे-अधूरे काम का बिल भी पास कर दिया। जबकि सीमेंट सड़क में भी कई जगहों पर खामियां है, लेकिन उन्हें पूरा करवाने पर भी कोई ध्यान नहीं है।

जानकारी के मुताबिक जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन 12 में सांझरिया में सड़क बनाने का काम सत्यम कंस्ट्रक्शन ने ले रखा है। इसके लिए मुख्य सड़कों पर खामियां तो छोड़ी ही है, साथ में डामर सड़क बनाने का काम नहीं किया गया। इससे रोजाना आने जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस आधी अधूरी सड़क से रोजाना 4 हजार से अधिक वाहन गुजरते है, इनमें भारी वाहनों की भी खासी तादाद है। ऐसे में सीमेंट सड़क भी टूटने का डर बना हुआ है। सीमेंट के जोड पर डामर की सड़क नहीं बनने से सारा वजन सीमेंट की सड़क पर आ रहा है।

स्थानीय लोगों की मानें तो सड़क निर्माता ठेकेदार ने इतनी खामियां छोड़ रखी है कि सड़क 6 महीने भी चल जाए तो काफी होगी। सड़क बनाने के लिए पहले जीएसबी, पीसीसी होना जरूरी है उसके बाद सीसी (सीमेंट सड़क) बनाई जानी चाहिए। सी.सी. भी रोड मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) से करने की स्वीकृति जी शिड्यूल में ले रखी है और मौके पर मिनी प्लांट लगा कर ट्राली से सड़क बनाई जा रही है। सड़क में कहीं

- **जेडीए के इंजीनियर्स ने ठेकेदार को नोटिस देने के बजाय आधे काम का ही 70 लाख रु. भुगतान कर दिया**

जीएसबी तो कहीं पीसीसी नहीं करके ठेकेदार को फायदा पहुंचाया जा रहा है। जोन के इंजीनियर्स मौके पर जाकर चैक भी कर आए और उन्होंने भी सड़क की गुणवत्ता सही होने का सर्टिफिकेट दे दिया। इस बीच सड़क बनाने वाले ठेकेदार काम को भी अधूरा छोड़ गया है। मौके पर कई जगह खामियां साफ नजर आ रही है।

जेडीए को जोन 12 के सहायक अभियंता को इस काम का बिल पास करने की इतनी जल्दी है कि उन्होंने काम भी पूरा नहीं कराया और लगभग 70 लाख रुपए का बिल भी भुगतान के लिए मंजूर कर दिया। मौके पर कई जगह पर सीसी की मोटाई भी कम है। इससे सड़क छह महीने भी चलना मुश्किल है। जेडीए के ठेकेदार को फायदा पहुंचाने के लिए सीमेंट सड़क मुख्य रोड को छोड़कर गलियों तक में लोगों के घरों तक बना दी गई। इसके लिए हालांकि बजट में ही स्वीकृति ले ली गई थी, जबकि जोन के इंजीनियर्स यह बहाना लगा रहे है कि लोग उन्हें घरों तक काम कराने का दबाव बना रहे है, जबकि असली फायदा ठेकेदार को हो रहा है। उसका बजट बढ़कर डबल हो गया।

इधर अजमेर रोड पर मुकुंदपुरा रोड पर सडक में गहरे गड्ढे हो चुके हैं और जोन के इंजीनियर काम शुरू नहीं करा रहे हैं। यह सड़क भांकरोटा से मुकुंदपुरा, बासडी पर गांव की इस सडक पर रोजाना सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। स्थानीय निवासियों ने सीएम के पोर्टल पर भी शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

'दोपहर 3 बजे डोटासरा बोले कि "5 बज गए" विधायकों ही हंसी छूटी'

जयपुर। ईआरसीपी को लेकर सोमवार को सुबह विधानसभा में हंगामा हो गया था, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि शाम 5 बजे सरकार से बात करके इसकी व्यवस्था दी जाएगी। जैसे ही दोपहर के 3 बजकर 3 मिनट हुए तो कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि 5 बज गए, व्यवस्था दो। दरअसल सदन में डिजिटल घड़ी लगी होती है, जिसमें 24 घंटे के फॉर्मेट में टाइम चलता है, जैसे ही डोटासरा ने यह कहा तो सदन में बैठे विधायक उनकी गलती पर हंसने लगे।

दरअसल सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर भादरा विधायक संजीव बेनीवाल बोल रहे थे। उस समय घड़ी में 15 बजकर 3 मिनट का समय हो रहा था। डोटासरा अचानक अपनी जगह से खड़े हुए कि बोले 5 बज गए हैं, ईआरसीपी को लेकर व्यवस्था दो। इस पर दोनों पक्ष के सदस्य हंसने लगे। सत्ता पक्ष से कहा गया कि डोटासरा जी नींद में हो क्या? इस पर डोटासरा को अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने तपाक से कहा कि चेयर का दिमाग टेस्ट कर रहा हूं। आपको तकलीफ है क्या? उस समय चेयर पर सभापति संदीप शर्मा थे। उन्होंने कहा कि समय का ध्यान नहीं रखोंगे तो गड़बड़ हो जाएगी, डोटासरा साहब। बाद में स्पीकर वासुदेव देवनानी ने ईआरसीपी को लेकर व्यवस्था दी कि मंगलवार को इस पर चर्चा होगी।

पेपरलीक व लाल डायरी दोनों मुद्दों में दम नहीं निकला : हरीश चौधरी

जयपुर (विसं)। कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री के राजस्थान दौरे में दो ही मुद्दे उठाए गए, एक पेपर लीक और दूसरा लाल डायरी। जबकि दोनों में ही कोई दम नहीं निकाला। उन्होंने कहा कि पेपर लीक में गत सरकार ने एसआईटी गठित की थी, फिर भी नई सरकार ने दोबारा गठन कर दिया, लेकिन 2 माह हो गए अभी तक कुछ भी कार्यवाही नहीं हुई है। सिर्फ बातें ही हुई हैं। इससे राजस्थान का भला होने वाला नहीं है।

उन्होंने कहा कि लाल डायरी के नाम पर षड्यंत्र रचा गया था। प्रधानमंत्री के मुंह से भी इसको लेकर आरोप लगवाए गए। यह सब राजस्थान में वोट लेकर सरकार बनाने के लिए झूठ बोला गया। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी में राजस्थान को पानी ज्यादा मिला तो हम जरूर धन्यवाद देंगे लेकिन प्रदेश के लोगों के साथ धोखा बर्दाश्त नहीं करेंगे।

तिजारा विधायक बाबा बालकनाथ ने कहा कि विपक्ष कहता है कि यह चुनाव हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर लडा है। हम आपको बताना चाहते हैं कि निश्चित रूप से लड़ा है और दुनिया के एकमात्र नेता ऐसे हैं, जिनके नाम से केवल विधानसभा-लोकसभा ही नहीं, अभी तो वार्ड पंच का चुनाव भी उनके नाम से लडा जाता है और जीत जाता है। यह दुनिया के एकमात्र नेता हैं और आज हमें गर्व हैं, हमारे प्रधानमंत्री पर, हमारी पार्टी की विचारधारा पर। उन्होंने कहा कि यह जो आप कहते हो कि हमारी पर्ची की सरकार हैं। तो मैं आपको बता दूं कि यह पर्ची तो हमारे लिए सौभाग्य की बात है। इस पर्ची से ही गांव में रहने वाले, छोटे से कार्यकर्ता यहां तक पहुंचे हैं। यह हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था से चलने वाली पार्टी है। जो किसी भी कार्यकर्ता को ऐसा अवसर देती कि उसको मुख्यमंत्री बनाती है। महंत बालमुकुंद आचार्य ने अभिभाषण में चर्चा में भाग लेते हुए भगवान राम और उनकी नीतियों की बात कही तो विपक्ष में इसका विरोध करते हुए कहा कि सदस्य अभिभाषण पर बोल रहे हैं या राम पर! इसको लेकर सदन में थोड़ा हंगामा हुआ, तो विधायक ने लिखा हुआ भाषण पढ़ना शुरू कर दिया। विपक्ष में इसका भी विरोध किया तो बाद में टोका टाकी और शोर शराबे के बीच उन्होंने मोदी सरकार की नीतियों और केंद्र की उपलब्धियों को बताया और कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में प्रदेश चौ तरफ उन्नित कर रहा है। उनका भाषण पूरा होने पर मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की एक टिप्पणी पर गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सरकार के पास ऐसे कितने नमूने हैं। इसको लेकर सभी भाजपा विधायक अपने स्थान पर खड़े होकर जोर-जोर से विरोध करने लगे, जिसे लेकर सदन में हंगामा हो गया।

- **गर्व है कि मोदी के नाम पर वार्ड पंच का भी चुनाव जीता जाता है : बाबा बालकनाथ**